Mr. Speaker: This will not go on record.

Shri Ram Sewak Yadav then left the House.

17.26 hrs.

*ALLOTMENT OF SCOOTERS TO GOVERNMENT EMPLOYEES

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : अध्यक्ष महोदय, आज मैं यह आधे घंटे की चर्चा तारांकित प्रश्न संख्या 295 तथा अतारांकित प्रश्न संख्या 727 और 728 के 5 मार्च 1965 को दिये गये उत्तरों से उत्पन्न होने वाली बातों पर उठा रहा हूं ।

सरकारी कर्मचारियों को स्कूटर्स दिये जाने की स्थिति असंतोषजनक है । आज चूंकि उन्हें स्कूटर्स नहीं मिलते हैं इसलिए उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है । दिल्ली या जो अन्य बड़े बड़े शहर हैं वहां इसके अभाव में सरकारी कर्मचारियों को काफी दिक्कत पड़ती है । बसों की हालत तो किसी से छिपी हुई है नहीं और उन बेचारों को घंटों बस के इंतजार में खड़े रहना पड़ता है और दफ्तर समय पर न पहुंच पाने के कारण अफसर की फटकार सुननी पड़ती है । बस स्टैंड्स पर आप सरकारी कर्मचारियों की लाइन को लाइन इंतजार में घंटे घंटे खड़ी देख सकते हैं जोकि बरसात में भीगते खड़े रहते हैं और गरमी के दिनों में धूप में तपते रहते हैं । इतनी कठिनाई सहने के बाद भी यदि वह समय पर दफ्तर में नहीं पहुंचते हैं तो अफसर उन्हें डांट फटकार सुनाता है और निकाल देने को कहता है । इन सारी कठिनाइयों को देखते हुए यह परमावश्यक हो जाता है कि सरकारी कर्मचारियों को स्कूटर्स देने की नीति में तत्काल सुधार किया जाय ताकि उन्हें काफी तादाद में स्कूटर्स मिल सकें । आज सरकारी कर्मचारियों को स्कूटर्स बांटने की जो व्यवस्था है वह एकदम गलत व्यवस्था है । मैं यह कहना चाहता हूं कि आज जितने लोग स्कूटर्स मांगते हैं उन में से कितने लोग स्कूटर्स पाते हैं ?

17.27 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

सवाल नम्बर 727 के उत्तर में मंत्री महोदय ने बतलाया था कि 5-2-1965 तक गजेटेड आफिसर्स से स्कूटर्स के लिए ऐप्ली-केशंस की तादाद 6281 है जब कि दूसरे नौन-गजेटेड आफिसर्स से स्कूटर्स की ऐप्ली-केशंस की तादाद 11431 है जो कि दोनों का कुल टोटल 17712 होता है । इन के अतिरिक्त सुरक्षा मंत्रालय से उस तारीख तक 17000 अर्जियां और आ गयी हैं जिसका कि मतलब यह हुआ कि मंत्रालय के पास 35000 से भी कुछ अधिक अर्जियां पहुंची हुई हैं । लेकिन देखना तो यह है कि हमारे पास स्टाक में कुल स्कूटर्स कितने हैं और हमें मिलते कितने हैं ? हमें तीन महीने के अन्दर 1060 मिलते हैं । सैंट्रल गवर्नमेंट के कोटे से वेरियस कैटेगरीज के कर्मचारियों को स्कूटर्स जो 1-1-63 से 31-12-64 तक अर्थात् दो साल के बीच में बांटे गये, उनकी कुल तादाद 5229 थी । अब जो मौजूदा क्वार्टरली अर्थात् तिमाही कोटा स्कूटर्स का है वह 1060 का है और उसके हिसाब से दो साल का कोटा 8480 होता है लेकिन बंटे कितने ? इस बारे में हम सरकार से सवाल पूछते हैं कि आखिर यह कोटा क्यों नहीं बांटा जाता है तो कोई उत्तर नहीं मिलता है । आखिर यह घुटाला क्यों है और यह कोटे के मुताबिक 3251 स्कूटर्स कहां चले गये जब कि आप का दो साल का कोटा स्कूटर्स का 8480 होता है ? स्कूटर्स के अलावा 600 मोटर साइकिलें भी सरकार को प्राप्त होंगी । अलग अलग मोटर साइकिलों की कम्पनियां हैं जिन से कि यह 600 सरकार

*Half-an-hour Discussion.

को प्राप्त होती हैं । मैं उन कम्पनियों के नाम अलग अलग नहीं देना चाहता लेकिन काफ़ी मोटर साइकिल और स्कूटर्स सरकार को इन तमाम कम्पनियों से प्राप्त होते हैं । लेकिन तो भी सरकारी कर्मचारियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार यह नहीं मिल पाते हैं ।

अभी सरकार ने एक प्रश्न के उत्तर में यह बतलाया था कि जिन सरकारी कर्मचारियों को 500 तनख़्वाह मिलेगी उन्हीं को स्कूटर्स दिये जायेंगे । अब एक ओर तो आप यह दावा करते हैं कि यह समाजवादी सरकार है और दूसरी ओर उसके द्वारा इस तरह का भेदभाव किया जाता है । यह स्कूटर्स देने में कर्मचारी, कर्मचारी के बीच भेदभाव क्यों किया जाता है ? इसके अलावा 500 से कम तनख़्वाह पाने वाले कर्मचारियों को तो स्कूटर न देने वाली बात ही समझ में नहीं आती है क्योंकि 500 या 500 से अधिक वेतन पाने वाला सरकारी कर्मचारी तो ज़रूरत पड़ने पर टैक्सी करके भी काम पर जा सकता है लेकिन छोटे कर्मचारी 200, 300 या 400 रुपये तनख़्वाह पाने वाले कर्मचारी वे किस प्रकार से टैक्सी में जा सकते हैं ? ये बेचारे काफ़ी देर से दफ्तरों से छूटते हैं, समय पर बस मिलती नहीं है यह सब बातें ध्यान में रखते हुए मैं तो यह कहूंगा कि सरकार को उनको ज्यादा सुविधा देनी चाहिए । सरकार का यह काम था कि वह कहती कि जो छोटे कर्मचारी हैं उन्हें हम स्कूटर्स देंगे और उन्हें लोन भी देंगे । इस से कर्मचारियों को बड़ी खुशी हुई और उन के मन में बड़ा उत्साह हुआ कि सरकार हम को लोन देगी, कुछ पैसा हम लगायेंगे और फिर स्कूटर खरीद लेंगे । उन्होंने कुछ पैसा बचाने के लिए अपने बच्चों को भूखा रखा, उन की पढ़ाई-लिखाई पर कम खर्च किया, अपना निजी खर्च कम किया और इस प्रकार कुछ पैसा बचाया इस आशा से कि वे स्कूटर ले लेंगे और फिर वे समय पर दफ्तर जायेंगे और समय पर वापस घर आयेंगे ।

श्री अचल सिंह (आगरा) : हाउस में कोरम नहीं है ।

Mr. Deputy-Speaker: The bell is being rung —The bell has stopped ringing and still there is no quorum. The House stands adjourned till 11 a.m. tomorrow.

17.33 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, May 11, 1965/Vaisakha 21, 1887 (Saka).

GMGIPND—LS II—626 (Ai) LSD—8-6-65—970.